**Need to re-open Attari-Wagah Trade Route**

**श्री गुरजीत सिंह औजला (अमृतसर) :** माननीय सभापति जी, वाघा बॉर्डर ट्रेड, जो बहुत पुराना ट्रेड है, यह अमृतसर से लगता है और यहाँ से पाकिस्तान के साथ इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट का काम होता था ।? (व्यवधान) लेकिन बालाकोट अटैक के बाद 200 परसेंट कस्टम ड्यूटी लगाने के बाद उसको बंद कर दिया गया, जो वायबल नहीं रहा । यह पुरातन ट्रेड है ।? (व्यवधान) सामाजिक और ऐतिहासिक तौर पर हमारी सभ्याचार एक है । यहाँ इम्पोर्ट के लिए लगभग 500 ट्रक्स डेली आते थे । लेकिन बालाकोट अटैक के बाद उसको बंद कर दिया गया ।? (व्यवधान) इसके कारण लगभग 10 हजार लोग बेरोज़गार हो गए । हम एक तरफ तो इंडस्ट्रीज लगाने की बात करते हैं, रोज़गार देने की बात करते हैं, लेकिन जो रोज़गार था, उसको बंद कर दिया गया । जब वहाँ व्यापार बंद हुआ, तो बहुत से ट्रक वाले और वर्कशॉप वाले सारे बेरोज़गार हो गए ।? (व्यवधान)

सरकार से मेरी दरख्वास्त है कि वाघा बॉर्डर ट्रेड दोबारा शुरू किया जाना चाहिए । आईसीबी 120 एकड़ में बनी है । 13 अप्रैल, 2012 को इसका उद्घाटन हुआ था । अमृतसर और लाहौर का पुरातन रिश्ता है । ये व्यापार के केन्द्र रहे हैं । यहाँ से अफगानिस्तान और यूएई तक व्यापार होता था । बंगाल से लेकर यहाँ तक जो शेरशाह सूरी रोड बना है, वह यह दर्शाता है कि पुरातन समय में यह इकोनॉमी की रीढ़ की हड्डी थी ।? (व्यवधान) लेकिन सरकार ने इसको बंद कर दिया । सन् 1962 और 1971 में भी जंग हुई थी, लेकिन तब भी यहाँ से व्यापार बंद नहीं हुआ था, वह तब भी शुरू रहा । मेरी सरकार से दरख्वास्त है, हम बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट्स के ऊपर बैठे हुए लोग हैं, हमें रोज़गार चाहिए, हमारे पास इंडस्ट्रीज हैं नहीं । इसलिए वाघा बॉर्डर ट्रेड को शुरू किया जाए । सरकार इसका संज्ञान ले । यह 10 हजार लोगों के रोज़गार का सवाल है ।? (व्यवधान)